

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्ड अधिकारी खानपुर जिला झालावाड़
(पीठासीन अधिकारी - श्री प्रमोदकुमार सिंघव आर.ए.एस.)

मिसल नं० 1071/दावा/2016
दायरा दि० 07/11/2016

उनवान

1. देवलाल पुत्र बालया जाति चमार निवासी खेरखेड़ा तह० खानपुर जिला झालावाड़
2. प्रमूलाल पुत्र कंवरलाल जाति चमार निवासी खेरखेड़ा ह० खानपुर जिला झालावाड़
3. मथुरालाल पुत्र कंवरलाल जाति चमार निवासी खेरखेड़ा ह० खानपुर जिला झालावाड़
4. हेमराज पुत्र कंवरलाल जाति चमार निवासी खेरखेड़ा ह० खानपुर जिला झालावाड़
5. कंवरवाई देवा कंवरलाल जाति चमार निवासी खेरखेड़ा ह० खानपुर जिला झालावाड़
6. कालूलाल पुत्र गजानन्द जाति चमार निवासी खेरखेड़ा ह० खानपुर जिला झालावाड़
7. रामरतन पुत्र गजानन्द जाति चमार निवासी खेरखेड़ा ह० खानपुर जिला झालावाड़
8. तुलसावाई देवा गजानन्द जाति चमार निवासी खेरखेड़ा ह० खानपुर जिला झालावाड़
— वादीगण

बनाम्

1. कल्याणसिंह पुत्र नन्दसिंह जाति राजपूत नि० भीलखेड़ा हाल मउवोरदा तह० खानपुर
2. भंवरसिंह पिता नन्दसिंह जाति राजपूत नि० भीलखेड़ा हाल मउवोरदा तह० खानपुर
3. कंवरवाई पुत्री नन्दसिंह जाति राजपूत नि० भीलखेड़ा हाल मउवोरदा तह० खानपुर
4. अजयवाई पुत्री नन्दसिंह जाति राजपूत नि० भीलखेड़ा हाल मउवोरदा तह० खानपुर
5. श्रंगारसिंह देवा नन्दसिंह जाति राजपूत नि० भीलखेड़ा हाल मउवोरदा तह० खानपुर
6. किशोरसिंह पुत्र बुद्धसिंह जाति राजपूत नि० भीलखेड़ा हाल मउवोरदा तह० खानपुर
7. रघुनाथसिंह पुत्र बुद्धसिंह जाति राजपूत नि० भीलखेड़ा हाल मउवोरदा तह० खानपुर
8. गोविंदसिंह पुत्र बुद्धसिंह जाति राजपूत नि० भीलखेड़ा हाल मउवोरदा तह० खानपुर
9. रामचन्द्र पुत्र विशनलाल जाति गुर्जर निवासी भीलखेड़ा तह० खानपुर
10. कमलावाई पुत्री विशनलाल जाति गुर्जर निवासी भीलखेड़ा तह० खानपुर
11. रामपाल पुत्र देवलाल जाति गुर्जर निवासी भीलखेड़ा तह० खानपुर
12. जगन्नाथ पुत्र देवलाल जाति गुर्जर निवासी भीलखेड़ा तह० खानपुर
13. रामभरोसी पुत्र देवलाल जाति गुर्जर निवासी भीलखेड़ा तह० खानपुर
14. गोरधनीवाई पत्नि देवलाल जाति गुर्जर निवासी भीलखेड़ा तह० खानपुर
15. भूमि अवाप्ति अधिकारी परवन सिंचाई परियोजना अकावद सिंचाई विभाग खण्डिया रोड़ झालावाड़
16. राजस्थान राज्य जयें तहसीलदार तहसील खानपुर जिला झालावाड़
— प्रतिवादीगण

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 88, 89, 91, 209 आर.टी.एक्ट 1955

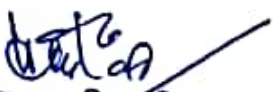
उपरिथत :- श्री गिरधारीलाल नागर अधिवक्ता - वादी

निर्णय

दिनांक 25/04/2019

वाद के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार हैं। वादी ने यह वाद अन्तर्गत धारा 88, 89, 91, 209 आर.टी.एक्ट 1955 के अन्तर्गत इस आशय का प्रस्तुत किया है कि ग्राम भीलखेड़ा की जमावंदी सं० 2015-18 की विभिन्न खसरा नम्बरान की 39.05 बीघा आराजी रघुनाथसिंह, दलेलसिंह, नन्दसिंह, गोविंदसिंह, चांदसिंह जाति राजपूत निवासी भीलखेड़ा के खाते की थी। इनका ग्राम भीलखेड़ा में एक

[1]

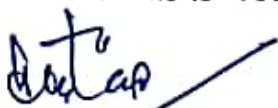

उपखण्ड अधिकारी
खानपुर जिला झालावाड़
(राजस्थान)

ही खाता था। इसमें से ख0नं0 758/150 की 1.13 बीघा, ख0नं0 759/150 की 3.03 बीघा, ख0नं0 807/150 की 0.19 बीघा कुल 3 कित्ता की 5.15 बीघा आराजी का 460/-रु0 प्रतिफल प्राप्त करके बालया पुत्र शंकर जाति चमार निवासी खेरखेड़ा को दिनांक 14.04.1966 को जरिये रजिस्टर्ड बैनामा से वैचान कर दी थी, तब से इस आराजी पर बालया व उसकी मृत्यु के पश्चात से आज तक वादीगण का वगैर किसी रूकावट के ऐलानिया कब्जा चला आ रहा है। उक्त वैचानकर्ताओं के विक्रय शुद्धा आराजी का मूल खसरा नं0 150 है और उसी मूल खसरा नम्बर के मिन खसरा नम्बरान का वैचान वादीगण को किया गया है। उक्त साविक नं0 150 का वर्तमान ख0नं0 36 है। वक्त सेटलमेंट, सेटलमेंट के कर्मचारियों ने बालया को सुने वगैर ही मूल खसरा नं0 150 के मिन नं0 758/150, 759/150, 807/150 का नया खसरा नं0 36 बना दिया और आराजी को पुनः नदसिंह, दलेलसिंह, रघुनाथसिंह व गोविंदसिंह के खाते दर्ज कर दी गई जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्त के विरुद्ध था। यह कार्यवाही बालया के काश्तकारी अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। सेटलमेंट की यह कार्यवाही शून्य प्रभावी है, जिसका कोई आधार नहीं है। विक्रेता नंदसिंह का स्वर्गवास हो चुका है उसके वारीसान प्रति0 1 लगा0 5 है। विक्रेता दलेलसिंह की मृत्यु हो चुकी है, उसके खाते की आराजी प्रति0नं0 1 लगा0 5 व 7 के खाते दर्ज की गई है। खरीददार बालया की भी मृत्यु हो चुकी है उसके वारीसान वादीगण 1 लगा0 8 हैं, जिनकी ओर से यह वाद पेश किया गया है। वर्तमान में आराजी में प्रतिवादीगण का नाम दर्ज होने से यह वादीगण को आराजी से बेदखल करने एवं आराजी का वैचान करने पर आमादा हैं। ऐसे में प्रतिवादीगण को जयें स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाना आवश्यक है। वादग्रस्त आराजी परवन वृहद सिंचाई परियोजना की ड्यू क्षेत्र में आने से अधिग्रहण की कार्यवाही की जा रही है। खाते में प्रतिवादीगण का नाम होने से मुआवजा रेकार्ड के आधार पर वही प्राप्त करेंगे, जबकि यह आराजी हमने जयें रजिस्ट्री बैनामा से खरीद कर कब्जा प्राप्त किया है और हम कानूनी रूप से आराजी के खातेदार टीनेंट हो गये हैं। ऐसे में हम खरीद शुद्धा आराजी का मुआवजा प्राप्त करने के अधिकारी हो गये हैं। यदि प्रतिवादीगण मुआवजा राशि प्राप्त करने में कामयाब हो गये तो हमें अपूरणीय क्षति होगी। ऐसे में प्रतिवादीगण को मुआवजा राशि प्राप्त करने से रोकने हेतु जयें स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाना आवश्यक है। अतः वाद पेश कर निवेदन है कि वाद वादीगण के पक्ष में मय खर्चा प्रतिवादीगण के विरुद्ध डिकी फरमाया जावे कि भीलखेड़ा की ख0नं0 36 की 6.16 बीघा में से 5.015 बीघा आराजी वादीगण के नाम खातेदारी में दर्ज की जावे और प्रतिवादीगण को जयें स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जावे कि वह वादग्रस्त आराजी को कहीं रहन, वैचान, हिब्या आदि नहीं करें और न ही अवाप्त होने पर मुआवजा राशि न तो प्राप्त करने और न ही किसी व्यक्ति को उक्त राशि का भुगतान करें।

वाद दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को तलय किया गया। प्रति0नं0 1 लगा0 4 व 8 की ओर से श्री मुरलीमनोहर गुप्ता एडवोकेट द्वारा वकालतनामा पेश कर जवाबदावा पेश करने का अवसर चाहा गया तथा प्रति0नं0 5, 6, 7, 9 लगा0 14 के वावजूद सूचना के न्यायालय में उपस्थित नहीं होने पर इनके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की गयी। अधिवक्ता प्रतिवादी को जवाब पेश करने का पर्याप्त अवसर दिया गया किन्तु इनके द्वारा जवाबदावा पेश नहीं किया गया। अधिवक्ता प्रतिवादी के निवेदन पर न्यायहित में दिनांक 17.01.18 एवं 08.02.18 को कौंस्ट पर भी जवाबदावा पेश करने का अवसर दिया गया किन्तु इनके द्वारा जवाबदावा पेश नहीं किया गया। दिनांक 12.04.2018 को प्रतिवादीगण एवं उनके अधिवक्ता के न्यायालय में उपस्थित नहीं होने पर इनके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की गयी। साथ ही वादीगण को साक्ष्य पेश करने का अवसर प्रदान किया गया।

विद्वान अधिवक्ता वादी ने साक्ष्य में वादी देवलाल, गवाहान प्रभूलाल, तुलसाबाई, मथुरालाल के बयान दर्ज कराये तथा दस्तावेज Exp1 लगा0 Exp 7 प्रदर्श कराये। अधिवक्ता वादी के निवेदन करने पर साक्ष्य वादी बंद की जाकर वहस अधिवक्ता वादी सुनी गयी।

विद्वान अधिवक्ता वादी ने अपनी वहस में वाद पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुये प्रकट किया कि खातेदार नदसिंह, दलेलसिंह, रघुनाथसिंह व गोविंदसिंह ने ग्राम भीलखेड़ा की साविक ख0नं0 758/150, ख0नं0 759/150, ख0नं0 807/150 की कुल 5.15 बीघा जमीन



उपडाण्ड अधिकारी
झानपुर जिला झालावाड़
(राजस्थान)

[2]


460/-रु० में बालया को दिनांक 14.04.1966 को जरिये रजिस्ट्री वैचान की थी, तब से इस पर बालया व उनकी मृत्यु के बाद से वादीगण का ऐलानिया कब्जा चला आ रहा है। आराजी का मूल नं० 150 है और इसके मिन नम्बरान का वैचान वादीगण को किया गया है। साधिक ख० नं० 150 का नया ख० नं० 36 बना है। सेटलमेंट के कर्मचारियों ने कानून के खिलाफ जाकर यह आराजी वापस मूल खातेदारों के खाते दर्ज कर दी। सेटलमेंट की यह कार्यवाही शून्य प्रभावी है। मृतक बालया के वासीसान वादीगण 1 लगा० 8 हैं। जिनकी ओर से यह वाद पेश किया गया है। नंदसिंह, दलेलसिंह, रघुनाथसिंह व गोविंदसिंह फौत हो चुके हैं, इनके वारीसान प्रतिवादीगण 1 लगा० 14 हैं। आराजी वर्तमान में प्रतिवादीगण के खाते दर्ज होने से यह इस आराजी से हमें वेदखल करने एवं वैचान करने पर आमादा हैं। ऐसे में इनको जर्जे स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाना आवश्यक है। हमने रेकार्ड पेश किया है तथा गयाहान के बयान कराये हैं, जिनसे हमारा दावा सावित है। अतः हमारा दावा डिकी किया जाकर वादग्रस्त आराजी का हमें खातेदार टीनेंट घोषित किया जावे तथा प्रतिवादीगण को जर्जे स्थाई निषेधाज्ञा पाबन्द किया जावे कि वह वादग्रस्त आराजी को कहीं रहन, वैचान, हिब्या आदि नहीं करें।



हमने पत्रावली का गहनता पूर्वक अध्ययन किया एवं विद्वान अधिवक्ता वादी की बहस पर मनन किया। Exp1 ग्राम भीलखेड़ा की नकल जमावंदी सं० 2068-71 की खतौनी सं० 10 है, जिसमें ख० नं० 36 रकबा 6.16 बीघा आराजी प्रति० नं० 1 लगा० 8 के खाते दर्ज है। Exp2 ग्राम भीलखेड़ा की नकल जमावंदी सं० 2072-76 की खतौनी सं० 10 है, जिसमें ख० नं० 36 रकबा 6.16 बीघा आराजी प्रति० नं० 1 लगा० 8 के खाते दर्ज है। Exp3 ग्राम भीलखेड़ा की नकल जमावंदी सं० 2064-67 की खतौनी सं० 36 है, जिसमें ख० नं० 36 रकबा 6.16 बीघा आराजी प्रति० नं० 1 लगा० 8 के खाते दर्ज है। Exp4 ग्राम भीलखेड़ा की नकल जमावंदी सं० 2035-38 की खतौनी सं० 46 है, जिसमें ख० नं० 36 रकबा 6.16 बीघा आराजी दलेलसिंह, नंदसिंह पिता किशनसिंह हि० 2/3, किशोरसिंह, रघुनाथसिंह, गोविंदसिंह, चांदसिंह पिता बुद्धसिंह हि० 1/3 के अर्थात् प्रति० नं० 1 लगा० 8 के खाते दर्ज है। Exp5 मिलान खसरा ग्राम भीलखेड़ा सं० 2021 है, जिसके अनुसार साधिक ख० नं० 758/150, 865/150 का नया ख० नं० 36 रकबा 6.16 बीघा बना है। Exp6 ग्राम भीलखेड़ा की नकल जमावंदी सं० 2015-18 की खतौनी सं० 27 है, जिसमें ख० नं० 758/150 रकबा 1.13 बीघा, ख० नं० 759/150 रकबा 3.03 बीघा, ख० नं० 807/150 रकबा 0.19 बीघा आराजी प्रति० नं० 1 लगा० 8 के पूर्वज दलेलसिंह हि० 1/4, नंदसिंह हि० 1/4, रघुनाथसिंह हि० 1/4 बेटे किशोरसिंह व गोविंदसिंह, चांदसिंह पुत्र बुधसिंह हि० 1/4 के खाते दर्ज है। Exp7 असल रजिस्टर्ड वैनामा दिनांक 14.04.1966 है, जिससे खातेदार दलेलसिंह, नंदसिंह, रघुनाथसिंह पिसरान किशोरसिंह, गोविंदसिंह बल्द बुधसिंह जाति राजपूत निवासी सेवनी ने अपने खाते की ग्राम भीलखेड़ा की ख० नं० 758/150 रकबा 1.13 बीघा, ख० नं० 759/150 रकबा 3.03 बीघा, ख० नं० 807/150 रकबा 0.19 बीघा कुल 5.15 बीघा आराजी वादीगण के पूर्वज बाल्या बल्द शंकर जाति चमार निवासी खेरखेड़ा को 460/- रु० में वैचान कर कब्जा संभलाया है। वादी देवलाल चमार Pw1 व तुलसाबाई चमार Pw2, गवाह प्रभूलाल चमार Pw3, मथुरालाल चमार Pw4 के बयानों से वादी के वाद की पुष्टि होती है। वहीं प्रतिवादीगण के अधिवक्ता ने पर्याप्त अवसर के बाद भी जवाबदावा पेश नहीं किया तथा प्रतिवादीगण व उनके अधिवक्ता के जानबूझकर न्यायालय से अनुपस्थित रहने पर इनके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की गयी है। इससे भी यही प्रकट होता है कि प्रतिवादीगण को वादीगण के वाद पर कोई आपत्ति नहीं है। केता बालया फौत हो चुका है, उसके वारीसान वादीगण 1 लगा० 8 है, ऐसे में ख० नं० 36 की 6.16 बीघा में से कय की गयी 5.15 बीघा आराजी में वादी नं० 1 का हिस्सा 1/3, वादी नं० 2 लगा० 5 का हिस्सा 1/3 में संभाग, वादी नं० 6 लगा० 8 का हिस्सा 1/3 में संभाग से बनता है। उपरोक्त विवेचन के अनुसार वादीगण ने अपने वाद को लिखित एवं मौखिक साक्ष्य से यखूवी सावित कराया है। ऐसे में वादीगण वाद में चाहा गया अनुतोष प्राप्त करने के अधिकारी हैं।

अतः वाद, वादी सावित होने से स्वीकार किया जाकर डिकी किया जाता है तथा ग्राम भीलखेड़ा की जमावंदी सं० 2072-75 की खतौनी सं० 10 की ख० नं० 36 रकबा 6.16 बीघा में से 5.15 बीघा आराजी का वादी नं० 1 को हिस्सा 1/3, वादी नं० 2 लगा० 5 को हिस्सा 1/3 में संभाग, वादी नं० 6 लगा० 8 को हिस्सा 1/3 में संभाग का खातेदार टीनेंट घोषित किया जाता है।

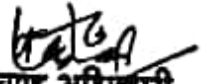
[3]


उपसर्ण अधिकारी
झानपुर जिला न्यायालय
(राजस्थान)

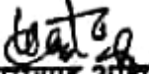
प्रतिवादीगण 1 लगा 8 का नाम इस आराजी से खारिज हो। खर्चा फरीकेन अपना-अपना वहन करेंगे। इस आशय का डिक्ली पर्चा जारी हो। पत्रावली निर्णय में शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा बाद तामील, तकमील दाखिल दफ्तर हो।



गया।


उपसखण्ड अधिकारी
झानपुर जिला झालावाड़
(राजस्थान)

निर्णय आज दिनांक 25/04/2019 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया


उपसखण्ड अधिकारी
झानपुर जिला झालावाड़
(राजस्थान)